सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 12 | अंक : 131 | मार्च : 2021

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

6 समसामयिकी घटना संग्रह

7 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

14 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- सुप्रीम कोर्ट ने तीनों कृषि कानूनों के अमल पर लगाई रोक
- सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को दी मंजूरी
- पीएम मोदी ने 100वीं किसान रेल को दिखाई हरी झंडी
- डीटीएच सेवाओं के दिशा-निर्देशों में संशोधन
- दिल्ली मेट्रो में भारत की पहली ड्राइवरलेस ट्रेन को हरी झंडी

19 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- जो बाइडन बने अमरीका के 46वें राष्ट्रपति, कमला हैरिस उपराष्ट्रपति
- जैव विविधता हेतु एक ग्रह शिखर वार्ता
- बांग्लादेश, नेपाल समेत 6 देशों को भारत देगा कोरोना वैक्सीन
- चीन ने अमरीका के 28 अधिकारियों पर लगाया प्रतिबंध

24 आर्थिक घटना संग्रह

- एलोन मस्क बने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति
- भारत बना दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था
- आरबीआई ने पर्यवेक्षकों का कॉलेज गठित किया
- टॉयकैथॉन 2021 एवं टॉयकैथान पोर्टल का शुभारम्भ

26 केन्द्रीय वित्त मंत्री ने संसद में पेश की आर्थिक समीक्षा: 2020-21

28 केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किया बजट 2021-22

32 खेल खिलाड़ी

- लद्दाख में पहली बार खेलो इंडिया जांस्कर विंटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल शुरू
- एम.एस. धोनी बने ICC पुरुष ODI और T20I टीम ऑफ डिकेड के कप्तान
- पुरुषों के टेस्ट मैच में मैच अधिकारी बनीं महिला अम्पायर क्लेयर पोलोस्क
- कैरोलिना मारिन ने जीता योनेक्स थाइलैण्ड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2021

35 विज्ञान समाचार

37 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

40 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

43 **आर्थिक लेख**—भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की भूमिका

44 **पर्यावरण लेख**—जलवायु परिवर्तन को कम करने में मददगार वन

45 **एरोमा थेरेपी लेख**—सुगंध चिकित्सा : एक समग्र उपचार

46 **जल-संसाधन लेख**—गंगा नदी की जैव विविधता

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

79 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-128 का परिणाम**

80 **कॅरियर सलाह**

82 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

47 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2019

55 बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा, 2019

60 राजस्थान पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2019

मॉडल हल

69 आगामी राजस्थान पटवार भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस :	1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005	**फोन**–2531101, 2530966
दिल्ली ऑफिस :	4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002	**फोन**–011-23251844, 43259035
पटना ऑफिस :	पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004	**मो**–09334137572
कोलकाता ऑफिस :	H-3, ब्लॉक-B म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No.15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर, **कोलकाता**–700 003 (W.B.)	**फोन**–033-25551510
हैदराबाद ऑफिस :	16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (आन्ध्रा बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना)	**मो**–09391487283
हल्द्वानी ऑफिस :	8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड)	**मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

हीन भावना से प्रेरणा ग्रहण कीजिए

"He was a simple man who had no inferiority complex about his lack of education and even more amazing complex because he had succeeded despite that lack."

—Maya Angelon

अपने को तुच्छ या हीन समझने के कारण हम अकारण ही अपनी बहुत हानि कर बैठते हैं—सामर्थ्य होते हुए भी अपने को असमर्थ मान बैठते हैं. मनोविश्लेषण की भाषा में इसको हीनता की ग्रन्थि (Inferiority complex) कहते हैं. इस मनोग्रन्थि के फलस्वरूप व्यक्ति असुरक्षा और असमर्थता के भाव द्वारा ग्रसित हो जाता है और वह अन्य व्यक्तियों की अपेक्षा अपने को कमतर, निम्नतर अथवा तुच्छतर अनुभव करने लगता है. इससे व्यक्ति के कार्य, उसकी योग्यता और उसके भावनात्मक सम्बन्ध इस सीमा तक प्रभावित होते हैं कि उसका पूरा व्यक्तित्व ही छिन्न-भिन्न हो जाता है.

मनोविश्लेषण विज्ञान के प्रसिद्ध पुरोधा सिगमण्ड फ्रायड के सहयोगी डॉ. एलफ्रेड एडलर ने हीनग्रन्थि की खोज की. उनका मानना है कि जो भी यह दिखाने का प्रयत्न करता है कि वह अन्य व्यक्तियों की अपेक्षा श्रेष्ठ है, वह वास्तव में अपने हीनभाव को छिपाने का प्रयास कर रहा होता है. अधिकांशतः स्नायुरोगी हीनता ग्रन्थि के शिकार होते हैं. स्पष्ट है कि स्नायुरोगी अन्दर कहीं गहराई में छिपी अपनी असमर्थता एवं हीनता की भावना को ढककर अपने को दूसरे पर हावी करने का प्रयास करते हैं.

जो लोग दावा करते हैं कि वे अन्य लोगों की अपेक्षा श्रेष्ठ हैं, अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए भाँति-भाँति से शेखी बघारते हैं, अपने बारे में बहुत बातें करते हैं, सम्मान्य अथवा उच्च पदस्थ व्यक्तियों से बराबरी का दावा करते हैं अथवा उनके साथ निकट सम्बन्ध रखने का प्रदर्शन या बखान करते हैं आदि. वे लोग हीनता के भाव के वशीभूत होकर ऐसा करते हैं. कुछ वयस्क व्यक्ति या वृद्धजन जवान होने का दावा करते हैं अथवा अपने को जवान के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयत्न करते हैं, वे भी इसी दोष के शिकार होते हैं.

यदि कदाचित् आप अनुभव करते/करती हैं कि आप हीनभाव द्वारा ग्रसित हैं, तो आपको ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है. कोई भी व्यक्ति किसी समय हीनभाव का शिकार हो सकता है, प्रायः प्रत्येक व्यक्ति अपने में किसी-न-किसी प्रकार की कमी, किसी-न-किसी प्रकार के अभाव का अनुभव करता है और इस रोग का रोगी हो सकता है. आप सहमत होंगे/होंगी कि इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो, जिसे जीवन में सब कुछ प्राप्त हो, किसी प्रकार का असन्तोष न हो अथवा पूर्ण काम हो. किसी भी प्रकार की अपूर्णता का अनुभव हीनभाव को जन्म देने के लिए पर्याप्त है.